हरिभूमि

सागर-चम्बल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, रविवार 18 अक्टूबर 2026

सागर | खुरई | बांदरी | जरुआखेड़ा | बीना | बंडा | राहतगढ़

04 खाद विक्रेता पर एफआईआर दर्ज, कृषि विभाग की जांच में खुलासा...



07 तीज त्योहार या साहलग की आहट से रुक जाती है शहर की रफ्तार



खबर संक्षेप

कसक फाउंडेशन, देवरी में प्रथम गोष्ठी संपन्न

सागर। कसक फाउंडेशन की देवरी शाखा में प्रथम बैठक एवं गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों का परस्पर परिचय हुआ तथा संगठन के उद्देश्यों, युवाओं की सहभागिता और आगामी गतिविधियों पर सार्थक चर्चा की गई। यह बैठक देवरी में साहित्य, कला एवं सामाजिक सरोकारों को नई दिशा देने की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। बैठक में सुरजीत सिंह, सिवा प्यासी, राशिद पठान, राजेश साहू, प्रशांत साहू, मनोज नामदेव, सोमपाल, ज्योति तिवारी, मुकेश, विवेक कुमार उपस्थित थे।

डिप्टी कलेक्टर मोना दांगी को मालथौन एसडीएम का दायित्व सौंपा

सागर। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट प्रतिभा पाल ने प्रशासनिक कार्य सुविधा की दृष्टि से जिले में पदस्थ राज्य प्रशासनिक सेवा की अधिकारी सुश्री मोना दांगी, डिप्टी कलेक्टर को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मालथौन के पद पर पदस्थ किया है। जारी आदेश के अनुसार, डिप्टी कलेक्टर सुश्री मोना दांगी की शाखाओं का संपूर्ण प्रभार संयुक्त कलेक्टर रवीश श्रीवास्तव को उनके वर्तमान कार्य के साथ-साथ अस्थायी रूप से सौंपा गया है।

जिला स्तरीय युवा उत्सव 31 अक्टूबर को

सागर। भारत सरकार एवं संचालनालय खेल और युवा कल्याण, मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार खेल और युवा कल्याण विभाग, सागर द्वारा जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन 31 अक्टूबर को रविन्द्र भवन सभागार में किया जाएगा। युवा उत्सव में इस वर्ष पेंटिंग, समूह लोकनृत्य, समूह लोकगीत, कविता लेखन एवं नुक्कड़ नाटक सहित कुल पांच विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। समूह लोकनृत्य में केवल हिन्दुस्तानी शैली मान्य होगी। टेप, कैसेट आदि के माध्यम से प्रस्तुति मान्य नहीं की जाएगी। लोकगीत भारतीय गायन पर आधारित तथा क्षेत्रीय भाषा में हो सकते हैं। फिल्मी गीतों का प्रदर्शन मान्य नहीं होगा। युवा उत्सव में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागी खेल और युवा कल्याण विभाग, खेल परिसर, सागर से आवेदन फार्म प्राप्त कर 24 अक्टूबर को शाम 5 बजे तक जमा कर सकते हैं। इसके साथ ही माय भारत पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीयन कराना अनिवार्य है। पोर्टल पर पंजीयन के बिना प्रतिभागी युवा उत्सव में भाग नहीं ले सकेंगे। एक प्रतिभागी केवल एक विधा में ही सहभागिता कर सकता है।

संत नामदेव महाराज की जयंती पर अवकाश घोषित करने की मांग

सागर। अखिल भारतीय नामदेव समाज संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने संत नामदेव महाराज की जयंती पर शासकीय अवकाश घोषित करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन विधायक शैलेंद्र कुमार जैन को सौंपा। प्रतिनिधि मंडल ने विधायक से आग्रह किया कि वे समाज की भावनाओं और मांग को मुख्यमंत्री तक पहुँचाकर इस दिशा में उचित पहल करें। इस अवसर पर प्रतिनिधि मंडल ने कहा कि संत नामदेव जी महाराज समाज के आराध्य हैं। उन्होंने अपने जीवन, वाणी एवं उपदेशों के माध्यम से प्रेम, सद्भाव, मानवता, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का संदेश जन-जन तक पहुँचाया। उनके विचार भारतीय संत परंपरा की अमूल्य धरोहर हैं, जो आज भी समाज को एकता, भाईचारे और सद्भाव के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि संत नामदेव जी महाराज के आध्यात्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक योगदान को व्यापक स्तर पर जन-जन तक पहुँचाने तथा उनकी शिक्षाओं को नई पीढ़ी से परिचित कराने के उद्देश्य से उनकी जयंती पर शासकीय अवकाश घोषित किया जाना चाहिए।

जिलेभर में एक साथ चलाया चेकिंग अभियान, 700 से अधिक पुलिसकर्मी मैदान में

आकस्मिक नाकाबंदी में वारंटियों की धरपकड़, अवैध पिस्तौल बरामद; शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर भी की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

अपराधियों पर अंकुश लगाने और गंभीर वारदात के बाद उनके भागने के रास्ते बंद करने के उद्देश्य से सागर पुलिस ने जिलेभर में एक साथ महा-चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया के नेतृत्व में 700 से अधिक पुलिस अधिकारी-कर्मचारी शहर के प्रमुख मार्गों, निकास बिंदुओं और जिले की सीमाओं पर आकस्मिक नाकाबंदी कर वाहनों और संदिग्ध व्यक्तियों की जांच में जुटे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयवीर सिंह भदौरिया एवं नरेंद्र सोलंकी के मार्गदर्शन में एसडीओपी और थाना प्रभारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में चेकिंग की। अभियान का उद्देश्य पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया, आपसी समन्वय और गंभीर अपराध के बाद तत्काल नाकाबंदी की क्षमता को परखना भी था।



वारदात कर भाग रहे पांच संदिग्ध पकड़े

बहेरिया क्षेत्र में चेकिंग के दौरान कार सवार पांच संदिग्धों को पुलिस ने रोका। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वे वारदात कर भाग रहे थे। बहेरिया पुलिस की सूचना पर मोतीनगर थाना टीम ने पांचों को पकड़ लिया। मामले में तथ्यों का सत्यापन कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। देवरी पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो स्थायी वारंट लंबित एक आरोपी को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से अवैध पिस्तौल बरामद होने पर आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। वहीं रहली में भी स्थायी वारंटी गिरफ्तार किया गया। गोपालगंज सहित अन्य थाना क्षेत्रों में वारंटियों की तलाश कर वारंट तामील किए गए। बीना, भानगढ़, गौरझामर, मकरोनिया, गोपाल गंज और बहेरिया सहित विभिन्न क्षेत्रों में शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत कार्रवाई की गई। यातायात नियमों का उल्लं घन करने वालों पर भी चालानी कार्रवाई हुई। कैंट क्षेत्र में तेज आवाज वाले साइलेंसर वाले वाहनों की जांच की गई, जबकि नाबालिगों के वाहन चलाने पर भी कार्रवाई की गई।

अपराधियों को साफ संदेश

अभियान के दौरान संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए निवारक कार्रवाई भी की गई। शहर के निकास मार्गों से लेकर जिले की सीमाओं तक की गई समन्वित नाकाबंदी से पुलिस ने अपराधियों को स्पष्ट संदेश दिया कि वारदात के बाद भागना आसान नहीं होगा। पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया ने कहा कि अपराध नियंत्रण और आमजन की सुरक्षा के लिए इस तरह के आकस्मिक चेकिंग अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

शरद पूर्णिमा पर होगा 'जिन शासन के सम्राट की संयम यात्रा' का मंचन

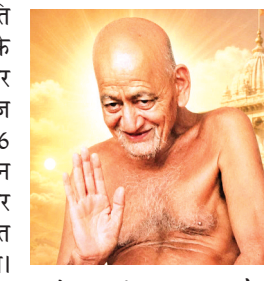

सागर। श्री विद्या समय अवतरण समिति एवं सकल दिगंबर जैन समाज, सागर के तत्वावधान में आचार्य श्री विद्यासागर महाराज और आचार्य समय सागर महाराज के अवतरण दिवस शरद पूर्णिमा पर 26 अक्टूबर को रात्रि 8 बजे से 'जिन शासन के सम्राट की संयम यात्रा' विषय पर नाटिका का मंचन एवं 'एक संत अरिहंत सा' भजन संध्या का आयोजन होगा। मुकेश जैन ढाना ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य धर्म, त्याग, तप और संयम का संदेश जन-जन तक पहुंचाना तथा जिनशासन की प्रभावना करना है। आयोजन की शुरुआत शाम 6:30 बजे बाहुबली कॉलोनी से भव्य महाआरती यात्रा के साथ होगी। यह यात्रा राधा टॉकीज, गुजराती बाजार होकर के रात्रि 8 बजे म्युनिसिपल तीनबत्ती, कटरा बाजार, सागर पहुंचेगी। इसके बाद गुरुदेव की सामूहिक आरती एवं आरती वेशभूषा सज्जा प्रतियोगिता आयोजित की गई है। अनिल नैनधरा ने बताया कि रात्रि 8:30 बजे से 'जिन शासन के सम्राट की संयम यात्रा' पर आधारित भव्य नाटिका का मंचन होगा, जिसमें संयम, त्याग और धर्म के आदर्श प्रस्तुत किए जाएंगे। इसके बाद रात्रि 9:30 से 10:30 बजे तक 'एक संत अरिहंत सा' भजन संध्या होगी, जिसमें जैन भजनों से धर्ममय वातावरण निर्मित होगा। चातुर्मास कमेटी अध्यक्ष संतोष बिलहरा और राजेश जैन रोड लाइंस ने समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं एवं श्रद्धालुओं से आयोजन में सहभागी बनने की अपील की है।





मुखबिर की सूचना पर अवैध पिस्टल लेकर घूम रहा स्थाई वारंटी गिरफ्तार

देवरीकलाँ। देवरी थाना पुलिस ने मारपीट के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे स्थाई वारंटी को मुखबिर की सूचना के आधार पर पिस्टल सहित गिरफ्तार किया है। थाना से प्राप्त जानकारी के अनुसार अतुल पटेल पिता महेन्द्र पटेल, उम्र 28 वर्ष, निवासी लिंगा पिपरिया, वर्तमान निवासी कुसुम बिहार कॉलोनी, देवरी, जिला सागर पर थाना देवरी में वर्ष 2021 में मारपीट के मामले में धारा 294, 323, 324, 506, 34 भा.दं.वि. के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया था। उक्त मामले में आरोपी के विरूद्ध जेएमएफसी, देवरी द्वारा स्थाई गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। जिसके चलते पुलिस द्वारा उसकी तलाश की जा रही थी। पुलिस को मुखबिर के जरिये आरोपी के बायपास रोड स्थित राकेश साहू के मकान के सामने बैठे हुए होने की सूचना प्राप्त हुई थी। जिस पर कार्रवाई कर आरोपी को थाना पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया। आरोपी की तलाशी लेने पर आरोपी के पास से कमर में पीछे छिपाकर रखी गई की देशी पिस्टल जिसमें एक धातु की खाली मैगजीन लगी पाई गई। पिस्टल के हत्थे पर काले रंग का कवर लगा था पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर उसके द्वारा पिस्टल रखने के संबंध में वैध लाइसेंस पूछने पर आरोपी द्वारा कोई लाइसेंस नहीं होना बताया गया। उक्त पिस्टल को गवाहों के समक्ष विधिवत जप्त कर मौके पर सीलबंद किया गया।

फरार वारंटी के पास देशी पिस्टल कहा से आई उक्त मामले में पुलिस सुराग लगा रही है, देवरी थाना में यह पहला अवसर है जब पुलिस द्वारा मैगजीन वाली पिस्टल बरामद की गई है। पुलिस की पड़ताल में क्षेत्र में अवैध हथियार विक्रय में लिप्त बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश हो सकता है जो युवाओं को बाहर से लाकर ऐसे हथियार उपलब्ध करा रहा है।

बरोदिया वैष्णोदेवी दरबार और मालथौन किला वाली मां महाकाली को सरोज सिंह ने 56 भोग अर्पित किए

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष सरोज भूपेन्द्र सिंह ने मालथौन किला प्रांगण में विराजमान प्राचीन माता महाकाली मंदिर और बरोदिया कलां की पहाड़ी पर विराजमान मां वैष्णोदेवी मंदिर पहुंच कर देवी मैया के दर्शन आरती में हिस्सा लिया और दोनों स्थानों पर छप्पन महाभोग अर्पित कर क्षेत्र की सुख समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्र के देवी उपासक और श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

नवरात्र के पावन दिनों में माता वैष्णोदेवी, मां भद्रकाली महाकाली के मंदिरों में महाभोग के रूप में छप्पन भोग का आयोजन किया जाता है। नौ दिनों की कठिन साधना और व्रत के बाद, भक्त माता रानी के प्रति अपना अगाध प्रेम प्रकट करने और अपनी पूजा की पूर्णता (पूर्णाहुति) के रूप में यह भव्य थाल सजाते हैं। देवी मां को छप्पन भोग लगाना केवल भोजन अर्पित करना नहीं, बल्कि भक्तों की ओर से माँ से यह प्रार्थना करना है कि हे मैया, इस संसार में जो कुछ भी सुंदर, मधुर और पोषक है, वह सब आपका ही दिया हुआ है और हम इसे आपके ही चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित करते हैं। मान्यताओं के अनुसार, देवी के मुख्य स्वरूप के अंतर्गत 56 उप-शक्तियां या योगिनियां ब्रह्मांड का संचालन करती हैं। सनातन परंपरा में कुल 56 करोड़ देवी-देवताओं की सूक्ष्म उपस्थिति मानी गई है। महाकाली और माता वैष्णोदेवी को छप्पन भोग लगाने का अर्थ है कि ब्रह्मांड की सभी सूक्ष्म दैवीय शक्तियों को एक साथ तृप्त करना है।



प्रति वर्ष की भांति इस बार भी पावन नवरात्रि की इसी परंपरा का अनुसरण करते हुए सरोज भूपेन्द्र सिंह ने छप्पन भोग में 7 प्रकार के अनाज, 7 प्रकार के फल, 7 प्रकार के मेवे, कढ़ी, सूप, मिठाइयां, पेय पदार्थ, चटनी और औषधीय सामग्रियों इलायची, लौंग आदि 56 प्रकार की खाद्य सामग्रियों को दोनों मंदिरों में अर्पित किया है। यह व्यंजन खट्टे, मीठे, कड़वे, नमकीन, तीखे और कसैले सभी प्रकार के स्वादों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महाकाली और वैष्णोदेवी को प्रकृति का साक्षात स्वरूप माना जाता है, इसलिए प्रकृति से प्राप्त हर प्रकार के रस और अन्न को उन्हें समर्पित करना सर्वस्व दान का प्रतीक है जिससे हमारे क्षेत्र की धरती और सभी प्राणी धन-धान्य और सुख समृद्धि अर्जित करेंगे।

इस अवसर पर बरोदिया कलां स्थित माता वैष्णोदेवी दरबार में नीतीश यादव भाजपा मंडल अध्यक्ष, मीना कुशवाहा नगर परिषद अध्यक्ष, कोमल यादव, बलराम ठाकुर, रविंद्र ठाकुर,महेंद्र ठाकुर, आर सी दुबे, चुन्नी लाल कुशवाहा, मनीष पाटेसकर, निरंजन सिंह ठाकुर, दयाराम चौरसिया, अभय लोधी, अजमेर सिंह लोधी, छोटे राजा बंगेला, शंकर कुशवाहा और पूर्व मंडल अध्यक्ष रामकुमार बघेल बड़ी संख्या में नारी शक्ति व क्षेत्रवासियों की उपस्थिति रही।

हितग्राहियों को अंत्येष्टि सहायता राशि वितरित, बिटिया को दिलाया आधार कार्ड

गढ़ाकोटा। मुख्यमंत्री अंत्येष्टि सहायता योजना के अंतर्गत नगर के रानी अवंती बाई वार्ड बसारी एवं किला वार्ड में नपाध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज तिवारी ने पहुंचकर मृतकों के परिजनों को 5-5 हजार रुपये की नगद सहायता राशि प्रदान की। इस दौरान उन्होंने वार्डों का भ्रमण कर नागरिकों की समस्याएं सुनीं तथा उनके उचित निराकरण के लिए आवश्यक पहल की। इसी क्रम में तिलक वार्ड में बिटिया विद्या, पिता राजेश रैकवार, पिछले एक वर्ष से आधार कार्ड संबंधी समस्या के कारण लाड़ली लक्ष्मी योजना के लाभ से वंचित थीं। मनोज तिवारी ने आधार कार्ड बनवाने की प्रक्रिया पूर्ण कराते हुए बिटिया को आधार कार्ड सौंपा, जिससे योजना का लाभ प्राप्त करने का रास्ता साफ हुआ। नगर भ्रमण के दौरान मनोज तिवारी ने अन्य परिजनों से भी आत्मीय मुलाकात कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली। इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष बसंत यादव एवं रज्जन लोधी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।



सुभाष नगर वार्ड में श्रीमद् भागवत कथा में शामिल हुए विधायक शैलेंद्र कुमार जैन

सागर। सुभाष नगर वार्ड में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में विधायक शैलेंद्र कुमार जैन शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने पंडित आशीष त्रिपाठी के मुखारविंद से प्रवाहित श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। विधायक जैन ने कथा स्थल पर विराजमान मां दुर्गा के दर्शन कर विधिवत स्तुति एवं प्रणाम किया तथा सभी के सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की। श्रीमद् भागवत कथा भारतीय सनातन संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा का महत्वपूर्ण आधार है। इसके माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, आदर्शों और जीवनोपयोगी शिक्षाओं का वर्णन किया जाता है, जो श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति, सदाचार और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। कथा श्रवण से मन को शांति मिलती है तथा समाज में धार्मिक और आध्यात्मिक चेतना का संचार होता है। विधायक शैलेंद्र कुमार जैन ने धार्मिक आयोजन में सहभागिता कर अपनी श्रद्धा व्यक्त की। इस अवसर पर कथा स्थल पर भक्तिमय वातावरण रहा और श्रद्धालुओं ने धर्म एवं आध्यात्मिकता से जुड़े इस आयोजन में सहभागिता की।

ढाई सौ साल पहले गुजरात से आए पूर्वज, सागर में आज भी गूंजते हैं उनके पारंपरिक गरबे

चकराघाट के मल्ली माता मंदिर में दो ताली और तीन ताली के गरबों से होती है देवी आराधना, पीढ़ियों से खेड़ावाल समाज ने सहेज रखी है सांस्कृतिक विरासत

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

आधुनिकता और मनोरंजन के रंग में गरबे का स्वरूप भले ही बदल गया हो, लेकिन सागर के चकराघाट स्थित श्री मल्ली माता मंदिर में आज भी करीब ढाई सौ साल पुरानी परंपरा उसी श्रद्धा और आत्मीयता के साथ जीवित है। शारदीय नवरात्रि में यहां गुजराती मूल के खेड़ावाल ब्राह्मण परिवार बिना किसी तड़क-भड़क और तेज संगीत के सामूहिक स्वरों में देवी की आराधना करते हुए पारंपरिक दो ताली और तीन ताली के गरबे करते हैं।

यहां गरबा केवल नृत्य नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही आस्था, संस्कार और अपनी जड़ों से जुड़े रहने का भाव है। हथेलियों की सहज ताल और सामूहिक स्वर में गूंजती देवी स्तुति राहगीरों को भी कुछ पल ठहरने को मजबूर कर देती है।



छत्रसाल के समय गुजरात से आए थे पूर्वज

स्थानीय पारिवारिक परंपराओं के अनुसार खेड़ावाल ब्राह्मण परिवार महाराजा छत्रसाल के शासनकाल में करीब 1737 में गुजरात से बुंदेलखंड आए थे। कुछ परिवार पन्ना पहुंचे और करीब दो दशक बाद 1759 के आसपास सागर के तत्कालीन मराठा शासक गोविंद पंत के बुलावे पर यहां आकर बस गए। नगर के विकास और निर्माण कार्यों से जुड़े इन परिवारों की पीढ़ियां बाद में हटा, दमोह सहित बुंदेलखंड के अन्य क्षेत्रों में भी बसीं।समय के साथ इन परिवारों की अगली पीढ़ियां देश के महानगरों और विदेशों तक पहुंचीं, लेकिन भट्ट, त्रिवेदी, मेहता, धगट, पंड्या, दवे, डनायक, व्यास, सेलट और ध्यानी जैसे परिवार आज भी अपनी गुजराती जड़ों और परंपराओं से जुड़े हुए हैं।

गरबों में आज भी वही भक्ति, वही लय

मल्ली माता मंदिर में गाए जाने वाले पारंपरिक गरबों की शुरुआत गणेश वंदना से होती है।'गुरु गणपति ने प्रथमे पाएं लागूं रे, चंडी मां...' जैसे पारंपरिक गीतों के साथ देवी की स्तुति की जाती है।'मां तमारा छे हजार नाम, कया नामे लखिए कंकोत्री...' जैसे गरबों में भक्त और देवी के बीच मां-बेटे जैसा आत्मीय संबंध दिखाई देता है। वहीं 'आज मां नो गरबो घूमतो जाय...' और 'मां तारो गरबो झाकमझोल...' जैसे गीत भक्ति के साथ उल्लास का भाव जगाते हैं।

इन गीतों में केवल शब्द और धुन नहीं, बल्कि पुरखों की स्मृतियां भी सुरक्षित हैं। बुजुर्गों के साथ नई पीढ़ी भी गरबा करती है और इसी बहाने गीत, भाषा, धुन और आराधना की परंपरा अगली पीढ़ी तक पहुंचती है।

नृत्य नहीं, मातृशक्ति की आराधना

पारंपरिक गरबा मूल रूप से मातृशक्ति और सृजन की आराधना का माध्यम माना जाता है। मिट्टी के पात्र में प्रज्वलित दीपक जीवन-ज्योति और आद्यशक्ति का प्रतीक है। उसके चारों ओर घूमकर किया जाने वाला गरबा जीवन के निरंतर गतिमान चक्र का प्रतीक माना जाता है।

गुजरात की गरबा परंपरा को वर्ष 2023 में यूनेस्को ने मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया। ऐसे में सागर के मल्ली माता मंदिर में खेड़ावाल समाज द्वारा निभाई जा रही यह परंपरा स्थानीय स्तर पर सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का सुंदर उदाहरण है।

तालियों में सुनाई देती हैं पुरखों की स्मृतियां

भौगोलिक दूरियां बढ़ गईं, जीवनशैली बदल गई और गरबा भी आधुनिक रंग में रंग गया, लेकिन मल्ली माता मंदिर में दो और तीन तालियों की वह सहज लय आज भी कायम है।नवरात्रि की रात जब मंदिर परिसर में सामूहिक स्वर गूंजते हैं तो लगता है जैसे ढाई सौ वर्ष पहले गुजरात से बुंदेलखंड आए पुरखों की परंपरा आज भी उन्हीं सुरों में सांस ले रही है। यहां गरबा सिर्फ नृत्य नहीं, बल्कि अपनी मिट्टी, अपनी मां और अपनी जड़ों को याद करने की एक जीवंत साधना है।

महाविद्यालय में 'काबिल प्रोग्राम' के तहत विद्यार्थियों को दिया रोजगारोन्मुखी कौशल प्रशिक्षण

गढ़ाकोटा। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गढ़ाकोटा में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना, महिंद्रा एंड महिंद्रा प्राइवेट लिमिटेड एवं सेंटम फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय निःशुल्क कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम 'काबिल प्रोग्राम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी कौशल एवं व्यावसायिक दक्षताओं से परिचित कराकर उन्हें रोजगार के लिए तैयार करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. घनश्याम भारती ने कहा कि इस प्रकार के कौशल विकास कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और रोजगार के अवसरों की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रशिक्षण के दौरान अर्जित कौशल का उपयोग अपने शैक्षणिक एवं व्यावसायिक जीवन में करने के लिए प्रेरित किया। प्रकोष्ठ प्रभारी सुश्री आकृति खरे ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कौशल विकास के महत्व और रोजगार की संभावनाओं के संबंध में जानकारी दी। कार्यक्रम समन्वयक सत्येंद्र जैन एवं प्रशिक्षक वैभव जैन ने विद्यार्थियों को विभिन्न रोजगारोन्मुखी विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया।प्रशिक्षण के दौरान कम्युनिकेशन स्किल, ई-मेल एटिकेट, टैली एवं अकाउंटिंग, इंटरव्यू स्किल, प्रोफाइल बिल्डिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , कार्यस्थल सुरक्षा एवं जागरूकता, वित्तीय साक्षरता, व्यक्तित्व विकास तथा व्यावसायिक व्यवहार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को प्रभावी संवाद, साक्षात्कार की तैयारी, डिजिटल तकनीक के उपयोग और कार्यस्थल पर व्यावसायिक आचरण के व्यावहारिक पहलुओं से भी अवगत कराया गया।

डीएपी में नाइट्रोजन 18 प्रतिशत की जगह 1.75 और फास्फोरस 46 की जगह मिला महज 3.20 प्रतिशत

खाद विक्रेता पर एफआईआर दर्ज, कृषि विभाग की जांच में खुलासा, गोदाम सील

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

किसानों को गुणवत्तायुक्त उर्वरक उपलब्ध कराने और खाद की बिक्री में अनियमितताओं पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन ने कार्रवाई की है। अमानक एवं नकली उर्वरक की बिक्री के मामले में हवेली रोड स्थित मेसर्स अनिल एण्ड संस के प्रोपराइटर कृष्णा भामड़ी के विरुद्ध पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई गई है। कृषि विभाग की जांच के दौरान बिना लॉट नंबर की डीएपी की पांच बोरियां जब्त की गई थीं, जबकि संबंधित फर्म के गोदाम को सील कर दिया गया था। उर्वरक गुण नियंत्रण प्रयोगशाला, ग्वालियर की जांच रिपोर्ट में डीएपी में पोषक तत्वों की मात्रा निर्धारित मानकों से काफी कम पाए जाने के बाद यह कार्रवाई की गई।

किसानों के संदेह पर कलेक्टर की कार्रवाई

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम अस्तोन निवासी किसान अजय साहू और उनके भाई अभय साहू ने 29 सितंबर को हवेली रोड स्थित मेसर्स अनिल एण्ड संस से डीएपी और यूरिया खरीदा था। डीएपी की बोरी पर लॉट नंबर अंकित नहीं होने के कारण दोनों किसानों को खाद की गुणवत्ता और उसकी प्रामाणिकता को लेकर संदेह हुआ। इसके बाद उन्होंने मामले की जानकारी कृषि विभाग को दी। किसानों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने उपसंचालक कृषि मनोज कश्यप को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

फसल और लागत पर पड़ सकता है असर

खेती में डीएपी का उपयोग फसलों को आवश्यक पोषक तत्व उपलब्ध कराने के लिए किया जाता है। ऐसे में निर्धारित मानकों के अनुरूप पोषक तत्व नहीं होने पर किसानों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाने की आशंका रहती है। किसान खाद खरीदते समय उसकी गुणवत्ता और पैकिंग से संबंधित विवरण पर भरोसा करते हैं। ऐसे में यदि किसी उर्वरक में पोषक तत्वों की मात्रा निर्धारित मानकों से काफी कम मिलती है, तो किसानों को आर्थिक नुकसान की आशंका के साथ खेती की लागत और फसल के विकास को लेकर भी परेशानी हो सकती है।



नाइट्रोजन और फास्फोरस की मात्रा में भारी अंतर

प्रयोगशाला की जांच रिपोर्ट के अनुसार, डीएपी में नाइट्रोजन की मात्रा निर्धारित मानक 18 प्रतिशत के मुकाबले मात्र 1.75 प्रतिशत पाई गई। इसी तरह फास्फोरस की मात्रा निर्धारित मानक 46 प्रतिशत के स्थान पर केवल 3.20 प्रतिशत मिली। पोषक तत्वों की मात्रा में इस बड़े अंतर ने खाद की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। कृषि विभाग के अनुसार, बोरियों पर लॉट नंबर अंकित नहीं होने और प्रयोगशाला परीक्षण में पोषक तत्वों की मात्रा निर्धारित मानकों से काफी कम पाए जाने के आधार पर संबंधित उर्वरक के मामले में नियमानुसार कार्रवाई की गई। इसके बाद कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय के निर्देशन में संबंधित फर्म के विरुद्ध पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई, जिसके आधार पर एफआईआर दर्ज हुई है।

कलेक्टर श्रोत्रिय ने सख्त कार्रवाई के दिए निर्देश

कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने स्पष्ट किया है कि किसानों को गुणवत्तायुक्त उर्वरक उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। अमानक एवं नकली खाद की बिक्री, कालाबाजारी और किसानों के साथ धोखाधड़ी करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कृषि विभाग के मैदानी अधिकारियों को जिले में उर्वरक विक्रय केंद्रों और गोदामों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, किसी भी प्रकार की अनियमितता सामने आने पर नियमानुसार तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। इस कार्रवाई के बाद जिले में उर्वरक की गुणवत्ता और बिक्री व्यवस्था की निगरानी को लेकर कृषि विभाग की जिम्मेदारी और बढ़ गई है। किसानों को समय पर गुणवत्तायुक्त खाद उपलब्ध कराने के साथ यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि उर्वरक की पैकिंग, निर्धारित मानकों और बिक्री संबंधी नियमों का पालन हो।

बिना लॉट नंबर की मिलीं पांच बोरियां

कलेक्टर श्रोत्रिय के निर्देश पर उपसंचालक कृषि मनोज कश्यप के मार्गदर्शन में सहायक संचालक कृषि रवि अमलियार तथा उर्वरक निरीक्षक एवं प्रभारी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कैलाश प्रसाद अहिरवार के जांच दल ने संबंधित प्रतिष्ठान का निरीक्षण किया। जांच के दौरान फर्म के गोदाम में बिना लॉट नंबर की डीएपी की चार बोरियां मिलीं। इसके अलावा किसान द्वारा वापस की गई एक बोरी को भी जब्ती की कार्रवाई में शामिल किया गया। इस तरह कुल पांच बोरियां जब्त की गईं और संबंधित गोदाम को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। जांच दल ने जब्त डीएपी का नमूना परीक्षण के लिए उर्वरक गुण नियंत्रण प्रयोगशाला, ग्वालियर भेजा। खाद की वास्तविक गुणवत्ता का पता लगाने के लिए प्रयोगशाला की रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा था। 14 अक्टूबर को प्राप्त परीक्षण रिपोर्ट में डीएपी के भीतर मौजूद पोषक तत्वों की मात्रा निर्धारित मानकों से काफी कम पाई गई। रिपोर्ट सामने आने के बाद उर्वरक की गुणवत्ता को लेकर किसानों द्वारा जताई गई आशंका को गंभीरता से लेते हुए संबंधित फर्म के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

शिकायत पर कलेक्टर ने लिया संज्ञान

अमरपुर स्कूल में प्रार्थना के दौरान भगवान का नाम लेने पर आपत्ति



टीकमगढ़। जिले के बड़ागांव क्षेत्र स्थित शासकीय हाई स्कूल अमरपुर में विद्यार्थियों की प्रार्थना सभा रुकवाने का मामला सामने आया है। शुक्रवार सुबह स्कूल में छात्र-छात्राएं नियमित रूप से प्रार्थना कर रहे थे, तभी गांव के कुछ लोग वहां पहुंचे और प्रार्थना में भगवान का नाम लिए जाने पर आपत्ति जताते हुए उसे बंद करने को कहा। शिक्षकों ने संबंधित लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन उनके विरोध के चलते प्रार्थना सभा रोकनी पड़ी। घटना के बाद स्कूल के शिक्षकों ने पुलिस और शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत की है। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह शासकीय हाई स्कूल अमरपुर में नियमित दिनचर्या के तहत प्रार्थना सभा आयोजित की जा रही थी। इसी दौरान गांव के निवासी अजय, रोहित, हीरा और सुरेश अहिरवार स्कूल पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने प्रार्थना में भगवान का नाम लिए जाने पर आपत्ति जताई और विद्यार्थियों को प्रार्थना करने से रोक दिया। संबंधित लोगों का कहना था कि स्कूल में धर्म की शिक्षा दी जा रही है और जिस प्रार्थना में भगवान का नाम लिया जा रहा है, उसे बंद किया जाना चाहिए। शिक्षकों के मुताबिक, स्कूल परिसर में पहुंचकर संबंधित लोगों ने प्रार्थना को लेकर विरोध जताया। शिक्षकों ने उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे अपनी बात पर अड़े रहे। इसके चलते स्कूल में चल रही प्रार्थना सभा बंद करनी पड़ी। घटना से विद्यालय की नियमित गतिविधि प्रभावित हुई। इसके बाद शिक्षकों ने मामले की जानकारी पुलिस और शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को देते हुए शिकायत दर्ज कराई। मामले की जानकारी सामने आने के बाद कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने इसे गंभीरता से लिया और संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। अब पुलिस और शिक्षा विभाग की ओर से शिकायत के संबंध में की जाने वाली कार्रवाई महत्वपूर्ण होगी। मामले में संबंधित पक्षों के बयान और घटना से जुड़े तथ्यों की जांच के बाद स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। विद्यालय में प्रार्थना सभा विद्यार्थियों की नियमित दिनचर्या का हिस्सा होती है। ऐसे में स्कूल परिसर में इस तरह के विवाद से शैक्षणिक गतिविधियों पर असर पड़ने की आशंका रहती है। घटना के बाद यह सवाल भी उठ रहा है कि विद्यालय की नियमित गतिविधियों को निर्बाध रूप से संचालित करने और शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए शांतिपूर्ण शैक्षणिक वातावरण बनाए रखने के लिए प्रशासन क्या कदम उठाता है। फिलहाल, मामले में शिकायत और प्रशासनिक निर्देशों के बाद आगे की कार्रवाई पर नजर है।

पूर्व मंत्री राहुल सिंह लोधी ने भेंट की पुस्तक

सेवा और समर्पण के लिए भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान



पलेरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा से देशसेवा तक के 25 वर्षों के सफर पर आधारित सेवा संकल्प अभियान की पुस्तक का शनिवार को पलेरा नगर में वितरण किया गया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री राहुल सिंह लोधी ने भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का माला पहनाकर सम्मान किया और उन्हें पुस्तक भेंट की। कार्यक्रम के माध्यम से वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के संगठन के प्रति योगदान को सम्मान देते हुए सेवा, समर्पण और जनकल्याण के भाव को आगे बढ़ाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान पूर्व मंत्री राहुल सिंह लोधी ने भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता डॉ. सीबी आर्या, अनिल खरे, राजेश नायक, हरगोविंद यादव, घनश्याम विश्वकर्मा, विजय कुमार खरया एवं पन्नालाल सोनी को सेवा संकल्प अभियान की पुस्तक भेंट की। उन्होंने कार्यकर्ताओं को अभियान के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा से देशसेवा तक के सफर और सार्वजनिक जीवन में सेवा के महत्व पर प्रकाश डाला। पूर्व मंत्री राहुल सिंह लोधी ने वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के योगदान को संगठन की महत्वपूर्ण ताकत बताते हुए उनके अनुभव और समर्पण के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं के सम्मान के साथ संगठनात्मक एकजुटता और जनसेवा के संकल्प को मजबूत करने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन संज्ञा, महामंत्री अवध नापित, कल्पना राजपूत, मुकेश यादव, संतोष अहिरवार, गुलाब आदिवासी, महक यादव, प्रभु रैकवार, हरिशंकर चौरसिया, अयोध्या चढ़ार एवं तेज खान सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डीएपी का न करें इंतजार, टीएसपी, एनपीके से भी पूरी होगी जरूरतः कलेक्टर

इस सप्ताह जिले में डीएपी की एक रैक आने की संभावना खाद की कालाबाजारी और निर्धारित दर से अधिक कीमत वसूलने पर होगी सख्त कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़।



रबी फसलों की बोवनी के दौरान किसानों को उर्वरकों की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था को लेकर परेशानियों का सामना न करना पड़े, इसके लिए जिला प्रशासन ने कृषि विभाग सहित संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित कृषि एवं संबद्ध विभागों की समीक्षा बैठक में उर्वरकों की उपलब्धता, ई-विकास प्रणाली के माध्यम से खाद की बुकिंग, गुणवत्तायुक्त बीज, फॉर्मर आईडी, भूमि अभिलेखों में संशोधन, विद्युत आपूर्ति और सिंचाई सहित किसानों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

कलेक्टर श्रोत्रिय ने अधिकारियों को किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण करने और उर्वरक वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्रोत्रिय ने जानकारी दी कि इस सप्ताह जिले में डीएपी की एक रैक आने की संभावना है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे केवल डीएपी की उपलब्धता का इंतजार करते हुए उर्वरकों के उपयोग में देरी न करें। फसल की आवश्यकता, मिट्टी की स्थिति और कृषि विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार टीएसपी अथवा एनपीके जैसे उपलब्ध उर्वरकों का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि उर्वरकों का वैज्ञानिक एवं संतुलित उपयोग करके फसलों की पोषक तत्वों संबंधी जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। कलेक्टर श्रोत्रिय ने किसानों को डीएपी के विकल्पों की जानकारी देते हुए बताया कि टीएसपी यानी ट्रिपल सुपर फॉस्फेट में लगभग 46 प्रतिशत फॉस्फोरस होता है, जबकि डीएपी में फॉस्फोरस की मात्रा 46 प्रतिशत और नाइट्रोजन की मात्रा 18 प्रतिशत होती है। टीएसपी में नाइट्रोजन नहीं होता, इसलिए फसल की आवश्यकता के अनुसार इसके साथ उचित मात्रा में यूरिया का उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने एनपीके उर्वरक को भी एक विकल्प बताते हुए किसानों से उपलब्धता और फसल की जरूरत के अनुसार इसका उपयोग करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि रबी फसलों की बोवनी और शुरुआती विकास के दौरान पोषक तत्वों की पर्याप्त उपलब्धता जरूरी है। इसलिए किसान उपलब्ध उर्वरकों का उपयोग कृषि विशेषज्ञों की सलाह से करें। कृषि विभाग के मैदानी अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे गांव-गांव पहुंचकर किसानों को डीएपी के विकल्पों, उनकी उपयोगिता और सही मात्रा में उर्वरक इस्तेमाल करने के संबंध में जागरूक करें, ताकि खाद की उपलब्धता को लेकर किसानों को अनावश्यक परेशानी न हो। बैठक में ई-विकास प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर श्रोत्रिय ने बताया कि ई-विकास पोर्टल पर उर्वरकों की उपलब्ध मात्रा प्रतिदिन सुबह 10 बजे अपलोड की जाती है। ऐसे में किसान खाद की बुकिंग के लिए सुबह 10 बजे के बाद प्रयास करें। इस प्रणाली के माध्यम से व्हाट्सऐप पर भी बुकिंग की सुविधा उपलब्ध है, जिसका लाभ लेकर किसान घर बैठे बुकिंग प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

कलेक्टर श्रोत्रिय ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल और कंप्यूटर के माध्यम से ऑनलाइन बुकिंग करने में दक्ष युवा अन्य किसानों, विशेषकर छोटे और तकनीकी जानकारी से वंचित किसानों की सहायता करें। इससे बुकिंग प्रक्रिया आसान बनाने और किसानों को तकनीकी समस्याओं से राहत दिलाने में मदद मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को भी ई-विकास प्रणाली के संबंध में किसानों को सही जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्रोत्रिय ने फॉर्मर आईडी, फॉर्मर रजिस्ट्री और भूमि अभिलेखों से जुड़ी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी किसान को तकनीकी या अभिलेखीय त्रुटियों के कारण अनावश्यक परेशान न किया जाए। यदि फॉर्मर आईडी, खसरा अथवा भूमि अभिलेखों में कोई त्रुटि है, तो संबंधित विभाग आपसी समन्वय से उसका निराकरण करें।

उन्होंने कहा कि फॉर्मर रजिस्ट्री अथवा भूमि अभिलेखों के परिमार्जन से संबंधित समस्या होने पर किसानों को नियमानुसार उर्वरक बुकिंग की सुविधा और प्रक्रिया के बारे में स्पष्ट जानकारी दी जाए। साथ ही किसानों से अपील की कि वे यूरिया की आवश्यकता का आकलन कर समय रहते उसकी बुकिंग करें, ताकि फसल की जरूरत के समय उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिल सके। उर्वरक वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए कलेक्टर श्रोत्रिय ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को खाद निर्धारित दरों पर ही उपलब्ध कराई जाए। खाद की कालाबाजारी, अवैध बिक्री, निर्धारित मूल्य से अधिक राशि वसूलने अथवा वितरण में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने उर्वरक विक्रय केंद्रों और गोदामों की नियमित निगरानी करने, उपलब्ध स्टॉक की सही जानकारी किसानों तक पहुंचाने तथा वितरण केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं बनाए रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रोत्रिय ने रबी फसलों के लिए गुणवत्तायुक्त बीज और अन्य कृषि आदानों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

भोजन और सुविधाओं को लेकर छात्राओं ने की शिकायत, छात्रावास में छात्र संख्या भी पाई गई कम

निरीक्षण में बंद मिले दोनों बालिका छात्रावास, वार्डन भी नहीं पहुंचीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ पलेरा

छात्राओं की सुरक्षा, शिक्षा और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित बालिका छात्रावासों की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े हो गए हैं। नगर के वार्ड क्रमांक 14 स्थित रविदासपुरा मोहल्ले में संचालित नेताजी सुभाषचंद्र बोस बालिका छात्रावास और कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास के औचक निरीक्षण में कई ऐसी स्थितियां सामने आईं, जिन्होंने छात्रावासों के संचालन, निगरानी और छात्राओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। निरीक्षण के दौरान दोनों छात्रावास बंद मिले, वार्डन की अनुपस्थिति सामने आई और छात्राओं ने भोजन की गुणवत्ता सहित अन्य सुविधाओं को लेकर शिकायतें कीं।

एपीसी सुभाषणी नायक ने निरीक्षण पाई कमियाँ

जानकारी के अनुसार, 15 अक्टूबर को शाम करीब 4 बजे जिला एपीसी सुभाषणी नायक ने दोनों छात्रावासों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान नेताजी सुभाषचंद्र बोस बालिका छात्रावास, जिसकी क्षमता 50 छात्राओं की है, और 100 सीटर कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास बंद मिले। मौके पर केवल चौकीदार रतन लाल चढ़ार उपस्थित थे। जब छात्रावास बंद होने के संबंध में उनसे जानकारी ली गई, तो उन्होंने बताया कि छात्रावास का स्टाफ और छात्राएं रैली देखने गए हैं। इसके बाद फोन के माध्यम से संबंधित लोगों को वापस बुलाया गया।





निरीक्षण के समय वार्डन की अनुपस्थिति ने बढ़ाए सवाल

इस पूरे मामले में सबसे महत्वपूर्ण बात दोनों छात्रावासों की वार्डन रानी राजा बुंदेला सिंह सोलंकी की अनुपस्थिति रही। निरीक्षण के दौरान उन्हें फोन कर बुलाया गया, लेकिन उन्होंने आने में असमर्थता जताई और मौके पर उपस्थित नहीं हुईं। ऐसे में सवाल उठता है कि छात्राओं की देखरेख, छात्रावास की व्यवस्थाओं और दैनिक संचालन की जिम्मेदारी संभालने वाले अधिकारियों की मौजूदगी सुनिश्चित करने की व्यवस्था कितनी प्रभावी है।

क्षमता के मुकाबले कम मिलीं छात्राएं

निरीक्षण के दौरान छात्रावासों में उपस्थित छात्राओं की संख्या भी चर्चा का विषय रही। 100 सीटर छात्रावास में केवल 24 छात्राएं, जबकि 50 सीटर छात्रावास में महज 13 छात्राएं मौजूद मिलीं। इस प्रकार दोनों छात्रावासों की कुल 150 सीटों के मुकाबले निरीक्षण के समय केवल 37 छात्राएं उपस्थित थीं। हालांकि, निरीक्षण के समय कम संख्या में छात्राओं की मौजूदगी के पीछे क्या कारण थे और कितनी छात्राएं नियमानुसार अवकाश या अन्य स्वीकृत कारणों से बाहर थीं, इसकी जानकारी सामने आना भी जरूरी है। इससे छात्रावासों में वास्तविक उपस्थिति और संचालन की स्थिति का आकलन किया जा सकेगा।

एक ही स्थान पर बन रहा था दोनों छात्रावासों का भोजन

निरीक्षण में एक और महत्वपूर्ण तथ्य सामने आया कि दोनों छात्रावासों की छात्राओं के लिए भोजन एक ही स्थान पर तैयार किया जा रहा था। इस व्यवस्था के तहत भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता, निर्धारित मीनू और छात्रावासवार भोजन प्रबंधन की स्थिति की जांच आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान छात्राओं ने भोजन की गुणवत्ता को लेकर शिकायत की। उनका कहना था कि उन्हें निर्धारित मीनू के अनुसार भोजन नहीं मिल रहा है। इसके साथ ही छात्राओं ने अन्य आवश्यक सुविधाओं के अभाव की बात भी सामने रखी। छात्रावासों में रहने वाली छात्राओं को पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन, स्वच्छ वातावरण, सुरक्षित आवास तथा शिक्षा के अनुकूल सुविधाएं उपलब्ध कराना संबंधित व्यवस्था की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। ऐसे में छात्राओं की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए यह जांचना जरूरी है कि भोजन निर्धारित मीनू के अनुसार दिया जा रहा है या नहीं, खाद्य सामग्री की गुणवत्ता कैसी है और छात्रावासों में आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है या नहीं।

जांच और जवाबदेही तय करने की जरूरत

बालिका छात्रावासों का उद्देश्य दूरदराज के क्षेत्रों और जरूरतमंद परिवारों की छात्राओं को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराकर उनकी शिक्षा को प्रोत्साहित करना है। ऐसे संस्थानों में नियमित निगरानी और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही बेहद महत्वपूर्ण है। औचक निरीक्षण में सामने आई परिस्थितियों ने छात्रावासों की व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की आवश्यकता को रेखांकित किया है। अब जिला परियोजना समन्वयक और जिला प्रशासन के सामने इस मामले की निष्पक्ष जांच कराकर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की जिम्मेदारी है।

काशीराम कॉलोनी के पास युवक के साथ गाली-गलौज व मारपीट कर धमकी दी

ललितपुर। थाना कोतवाली क्षेत्र के काशीराम कॉलोनी के पास एक युवक के साथ गाली-गलौज और मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने तीन नामजद महिलाओं सहित पांच से छह अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मुहल्ला गोविंद नगर रावतयाना निवासी भूपेंद्र पाल पुत्र बालकिशन ने कोतवाली पुलिस को दी लिखित शिकायत में बताया कि 10 अक्टूबर 2026 को सुबह करीब 11 बजे वह काशीराम कॉलोनी के पास बैठा हुआ था। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाली एक महिला, अपनी महिला साथियों व अपने साथ पांच से छह अज्ञात लोगों को लेकर वहां पहुंचीं। आरोप है कि मौके पर पहुंचे लोगों ने उससे कहा कि यदि उसने उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तो उसे जान से मार दिया जाएगा। इसके बाद आरोपियों ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। आरोपियों ने पुलिस या किसी अन्य कानूनी प्रक्रिया का सहारा लेने पर दोबारा जान से मारने की धमकी दी और मौके से चले गए। घटना के बाद भूपेंद्र पाल ने कोतवाली पहुंचकर पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

जाम से आमजन दो चार, बैरिकेड लगाकर जिम्मेदारी से इतिश्री कर रही पुलिस

तीज त्योहार या साहलग की आहट से रुक जाती है शहर की रफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

जब भी कोई तीज त्यौहार आते हैं या साहलग की आहट मिलती है तो शहर के बाजारों की रफ्तार रुक जाती है। बाजार से पैदल निकलना भी दूभर हो जाता है। जगह-जगह जाम लगने से लोग परेशान हो रहे हैं। यह जाम सिर्फ वाहनों के अधिक आने जाने तक के कारण नहीं लगता बल्कि दुकानदारों की सड़कों पर दुकान लगाने की मानसिकता और नो पार्किंग की समस्या से लगता है। शहर में न तो नपा ने सार्वजनिक पार्किंग बनाई है न बैंकर्स के पास पार्किंग है। शहर के बीच संचालित हो रहे मैरिज गार्डन संचालकों के पास भी पार्किंग के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं है, जिससे रोज जाम की स्थिति निर्मित हो रही है।

श्योपुर शहर में करीब दर्जन भर मैरिज गार्डन, धर्मशाला और होटल ऐसे हैं जहां शादी विवाह से लेकर दूसरे छोटे आयोजन होते रहते हैं। सीजन में रोजाना यहां शादी समारोह होते हैं, लेकिन पार्किंग व्यवस्था नहीं है। मैरिज गार्डन में पार्किंग छोटी होने से लोगों को सडक पर वाहनों को खडे करना पड़ता है, जिससे जाम की स्थिति निर्मित होती रहती है। बंजारों की बात करें तो बाजारों में सीजन शुरू होते ही दुकानदार अपने सामान सड़कों पर लगाकर दुकान सजा लेते हैं ऊपर से हाथ ठेले वाले भी अचानक बढ़ जाते हैं जिससे एग्जाम की स्थिति निर्मित हो रही है उधर पुलिस प्रशासन सिर्फ गांधी पार्क पर बेरिकेट लगाकर इस अब व्यवस्था को रोकने के नाम पर इतश्री कर रहा है।



हमेशा जाम में फंसते रहती हैं एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड गाड़ी

सड़कों पर जाम लगने से जहां लोगों को निकालने में परेशानी हो रही है वहीं पाली रोड और बड़ौदा रोड पर मैरिज गार्डनों की वजह से सड़कों पर जाम लग जाता है। मैरिज गार्डन की वजह से कई बार एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड गाड़ी जाम में फंस जाती है। जिससे लोगों की जान को खतरा हो रहा है। जिला अस्पताल से गंभीर स्थिति में रेफर होने वाले मरीजों को कोटा से जाना जाता है। मरीजों को ले जाने वाली एंबुलेंस बड़ौदा रोड पर मैरिज गार्डन की वजह से लगने वाले जाम में आकर फंस जाती है और घंटों जाम में फंसे रहने के कारण मरीज की जान जाने का खतरा बन जाता है ऐसी

जुर्माना नहीं स्थल बदलने पर मिलेगी राहत

जब भी प्रशासन पर दवाच बनता है प्रशासन सभी मैरिज गार्डन संचालको को नोटिस जारी करने के बाद उन्हें बॉन्ड ओवर कर देता है और नगरपालिका कुछ जुर्माना भी वसूलती है पर समस्या जस के तस बनी हुई है। लोगों का कहना है कि नोटिस जारी करने और जुर्माना थोपने से समस्या हल नहीं होगी समस्या के लिए मास्टर प्लान बनाना जरुरी है इस मास्टर प्लान में एक सूत्रीय कार्यक्रम यह रखा जाए कि शहर के भीतर संचालित सभी मैरिज गार्डन को शहर के बाहर शिफ्ट करवाया जाए। यानी शहर के भीतर मैरिज गार्डन के संचालक पर परमानेंट रोक लगा दी जाए और शहर के बाहर मैरिज गार्डन बनाया जाए ताकि ट्रैफिक व्यवस्था की स्थिति से लोगों को दोचार ना होना पड़े जब तक शहर के बीच में मैरिज गार्डन संचालित होते रहेंगे तब तक इस तरह की समस्या लोगों को आती रहेगी।

इनका कहना...

शीघ्र ही बाजार में लगने वाले जाम से निपटने के लिए अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया जाएगा। सभी मैरिज गार्डन संचालकों को पूर्व में व्यवस्था बनाने का निर्देश दिए जा चुके हैं दोबारा से भी दिए जाएंगे।

नरेंद्र जाटव
सीएमओ श्योपुर

बैंको के पास नहीं पार्किंग

श्योपुर में अधिकतर बैंक बाजार के मीड वाड़ा वाले क्षेत्रों में है और यहां पर ग्राहकों के लिए कोई पार्किंग सुविधा भी नहीं है स्टेशन रोड एसबीआई शाखा में जो पार्किंग सुविधा थी उसे भी नगर पालिका ने लोहे का कटरा लगाकर सिर्फ अपने कर्मचारियों के लिए आरक्षित कर लिया अब लोग सड़क पर बाइक खड़ी करने का मजबूर है यही हालत बड़ौदा रोड स्थित सेंट्रल बैंक और शिवपुरी रोड पर पंजाब नेशनल बैंक एक्सिस बैंक अथवा एसबीआई कलेक्टरेट रोड शाखा सहित अन्य बैंक व ऐसे सरकारी दफ्तर जिनके पास पार्किंग की सुविधा नहीं है।

गौतम धर्मशाला में गरबा महोत्सव आयोजित

सतरंगी रोशनी के बीच संगीत की धुन पर खनके डांडिया, थिरके कदम



हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

शहर के किला रोड स्थित गौतम ब्राह्मण धर्मशाला में शुक्रवार की रात शारदीय नवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया। गौतम ब्राह्मण समाज श्योपुर के महिला मंडल एवं युवती मंडल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस गरबा महोत्सव में बड़ी संख्या में महिलाएं एवं बालिकाएं शामिल हुईं। संगीत की धून पर गरबा नृत्य को देख दर्शक भी मुग्ध हो गए। आयोजन में महिलाएं रंग-बिरंगे और आकर्षक पारंपरिक परिधानों में तैयार होकर शामिल हुई तो अनूठी सांस्कृतिक छंटा देखने को मिली। कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत पूजन अर्चन और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद महिलाओं, बालिकाओं ने मां भगवती के धार्मिक भजनों पर गरबा की शुरुआत की। गरबा मैदान में मौजूद हर कदम उत्साह और जोश से भरा दिखाई दिया। इस अवसर पर गौतम ब्राह्मण समाज अध्यक्ष शंभूदयाल शर्मा पंकज, महिला मंडल अध्यक्ष स्मिता गौतम, नव युवक मंडल अध्यक्ष हरित गौतम सहित ट्रस्ट कार्यकारिणी पदाधिकारी, महिला मंडल,युवती मंडल और नव युवक मंडल के पदाधिकारी भी मौजूद थे।

शिक्षकों के प्रयास से प्राइवेट स्कूलों को मात देता आदिवासी बस्ती का सरकारी स्कूल

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर



शासकीय श्री हजारेश्वर उमावि श्योपुर के संकुल अंतर्गत आने वाले चक बमूलिया गांव में स्थित शा. मिडिल स्कूल व्यवस्थाओं के मामले में प्राइवेट स्कूलों को पीछे छोड़ता दिख रहा है। इस स्कूल में बच्चे अपनी विशेष ड्रेस पहनकर और टाई बेल्ट लगाकर स्कूल आते हैं जहां उन्हें जमीन पर टाट पट्टी बिछाकर नहीं बैठाया जाता हैं बल्कि फेंसी टेबल कुर्सी पर बिठाकर पढ़ाई कराई जाती है। बच्चों की ड्रेस और स्कूल की अकादमिक व्यवस्था को देख कोई जज नहीं कर सकता कि यह सरकारी स्कूल के बच्चे हैं। इस स्कूल में 180 बच्चे दर्ज हैं जिनमें से 150 से अधिक आदिवासी हैं। आदिवासी बच्चों को इस तरह की सुविधा देने से उनमें शिक्षा के प्रति रूचि भी बढ़ रही है।

शुक्रवार को स्कूल का भ्रमण करने पहुंची संकुल प्रिंसिपल रश्मि शर्मा ने बच्चों की ड्रेस टाई बेल्ट और अकादमिक व्यवस्थाएं देखी पढ़ाई के बारे में चर्चा की और शिक्षकों द्वारा किया जा रहे प्रयास को साराहा हेड मास्टर परीक्षित जाटव ने बताया कि यह ड्रेस जन सहयोग से ली गई है। स्कूल में 90 फीसद बच्चे आदिवासी हैं जिन्हें पढ़ाने के लिए शुरू में अभिभावक रुचि नहीं लेते थे लेकिन सभी शिक्षकों के समाज सेवी रवैये के चलते बच्चों की उपस्थिति 90 फीसदी तक आ रही है जो सकारात्मक बात है। उन्होंने संकुल प्रिंसिपल को बताया कि स्कूल से हर साल किसी न किसी बच्चे का चयन नवोदय विद्यालय में भी होता है।

शिक्षा परिसर में मिडिल स्कूल क्र 03 में दूसरी बार हुई चोरी

चोर चतुर, पुलिस पड़ी पस्त, स्कूलों से लगातार हो रही सिलेंडर की चोरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

पुलिस पस्त चोर मस्त वाली कहावत इन दिनों जिला मुख्यालय पर खूब चरितार्थ हो रही है। चोर आए दिन सरकारी स्कूलों को निशाना बना रहे हैं। चोर स्कूलों के रसोईघर का ताला तोड़कर के गैस सिलेंडर चोरी कर ले जा रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार को शहर श्योपुर के मिडिल स्कूल क्रमांक 3 में का चोर ताला तोड़कर गैस सिलेंडर चोरी कर ले गए। इससे पहले पांच अक्टूबर को भी चोर इस स्कूल का ताला तोड़कर चोरी कर ले गए थे। शिक्षा परिसर माने जाने वाले इस क्षेत्र में इससे पहले मिडिल स्कूल क्रमांक 01 का चार बार ताला तोड़कर चोर सिलेंडर चोरी कर ले जा चुके हैं। आश्चर्य की बात तो यह है कि यह स्कूल कोतवाली से महज 10 मीटर से भी कम दूरी पर हैं और चोरी के बाद हर बार पुलिस आवेदन लेकर कर्तव्य से इतिश्री कर लेती है। चोरों की पड़ताल तक नहीं करती इससे चोरों के साथ पुलिस की साथ गांठ का भी अंदेशा व्यक्त किया जा रहा है।

कोतवाली थाने में स्कूल प्रबंधन की ओर से दिए गए आवेदन में उल्लेख किया गया है कि, 5 अक्टूबर को अज्ञात चोरों द्वारा स्कूल का ताला तोड़कर गैस सिलेंडर चोरी कर लिया गया था जिसकी सूचना लिखित आवेदन के साथ कोतवाली थाने में दे दी थी लेकिन एक पखवाड़ा बीतने के बाद भी पुलिस चोर को तो पकड़ नहीं पाई उल्टे चोर ने दुस्साहस दिखाकर दोबारा से ताला तोड़कर चोरी कर ली। चोरी करने से स्कूल में एमडीएम बनने के भी लाले पड़ गए हैं। आए दिन सिलेंडर चोरी हो जाने से शिक्षकों के साथ-साथ भोजन बनाने वाले महिला स्व सहायता सामूह भी परेशान हैं वह सिलेंडर कहां से खरीद लाए उनकी समझ में नहीं आ रहा है। लोगों का कहना है कि जो चोर सिलेंडर चोरी करते हैं वह चिन्हित है लेकिन पुलिस उन्हें पकड़ नहीं रही है।



नाम बताने के बाद भी नहीं पकड़े चोर

इससे पहले मिडिल स्कूल क्रमांक 1 में भी चार बार गैस सिलेंडर चोरी हो चुका है। आश्चर्य की बात यह है कि स्कूल में भोजन बनाने वाले समूह ने अपने प्रयास से तीन बार चोरों की शिनाख्त भी कर ली और पुलिस को चोरों के नाम भी बता दिए थे कि किस चोर ने सिलेंडर चोरी किया है यही नहीं जिस व्यक्ति ने चोर से सिलेंडर खरीदा था वह भी थाने में जाकर बोल आया था कि उसने सिलेंडर किस चोर से खरीदा है। इसके बावजूद पुलिस चोरों से सिलेंडर नहीं दिलवा पाई इससे स्पष्ट होता है की चोरी करने में पुलिस की चोरों से सांठगांठ है।

इनका कहना...

इस तरह की कोई शिकायत नहीं आई है, लेकिन ऐसा कुछ है तो उसको दिखवाते हुए कार्रवाई की जाएगी।

विजय सिंह तोमर
डीएसपी हेडक्वार्टर,श्योपुर

नो पार्किंग में खडे 22 वाहनों पर यातायात पुलिस ने ठोका जुर्माना



हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

यातायात थाना पुलिस ने शनिवार को नो पार्किंग में खडे मिले 22 वाहनों पर चालानी कार्रवाई करते हुए उनसे जुर्माना वसूला है। यातायात टीआई संजय सिंह राजपूत ने बताया कि शनिवार को 22 ऐसे वाहनों पर कार्रवाई की गई है,जो शहर में नो पार्किंग जोन में खडे हुए थे और यातायात व्यवस्था में प्रभावित कर रहे थे। इन वाहनों से 11 हजार रूपए का जुर्माना वसूला है। टीआई राजपूत ने बताया कि आगे भी यातायात व्यवस्था को प्रभावित करने वाले और नियमो को तोडकर वाहनो को संचालित करने वाले वाहन चालको के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम

श्योपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश अनुसार मध्यप्रदेश में 1 जनवरी 2027 की अर्हता तिथि के आधार पर मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की समय-सारणी निर्धारित की गई है। मध्यप्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजीव कुमार झा ने आयोग के निर्देश अनुसार प्रदेश के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को तदानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।इसी क्रम में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में श्योपुर जिले में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 12 नवंबर को मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन किया जायेगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी बीएस श्रीवास्तव ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम अनुसार 2 नवंबर 2026 तक मतदान केंद्रों का युक्तिकरण एवं पुनर्व्यवस्थापन का कार्य किया जायेगा, इसके उपरांत 12 नवंबर 2026 को मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन होगा। 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक दावे एवं आपत्तियाँ प्रस्तुत करने की अवधि रहेगी। 28 दिसंबर 2026 तक दावे एवं आपत्तियों का निराकरण किया जायेगा तथा 4 जनवरी 2027 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन संपन्न होगा।

पति के साथ आ रही महिला बाइक से गिरकर घायल, डायल 112 ने पहुंचाया जिला अस्पताल

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

शहर के पाली रोड पर शनिवार को सेंट पयस स्कूल के पास एक महिला तब बाइक से गिरकर घायल हो गई,जब वह अपने पति के साथ बाइक पर बैठकर श्योपुर आ रही थी। खास बात यह है कि उसी समय वहां डायल 112 गश्त कर रही थी, इसलिए डायल 112 स्टाफ ने तत्काल महिला को जिला अस्पताल पहुंचाकर इलाज के लिए भर्ती करा दिया।

जानकारी के अनुसार ग्राम बनवाडा निवासी दिलखशु मीणा शनिवार की सुबह अपने पत्नी कविता मीणा (30) के साथ बाइक से श्योपुर आ रहा था,तभी सेंट पयस स्कूल के पास बाइक पर बैठी कविता मीणा अचानक साडी फंसने से बाइक से नीचे गिर गई और घायल हो गई। विशेष बात यह है कि उसी समय देहात थाने की डायल 112 इसी क्षेत्र में रूटिन गश्त कर रही थी। यह हादसा देखकर डायल 112 के स्टाफ पायलेट अभय सिंह जादौन तथा प्रधान आरक्षक माधव सिंह सेंगर ने तत्काल गाडी रोकी और घायल महिला को उठाकर इलाज के लिए तत्परता के साथ जिला अस्पताल भर्ती करवा दिया।



श्योपुर जिले की करीब 65 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि में होगी नहरी पानी से सिंचाई

कोटा बैराज से आज छोड़ा जाएगा चंबल दाहिनी मुख्य नहर में पानी, 21 को पहुंचेगा जिले की सीमा में

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

चंबल दाहिनी मुख्य नहर में कोटा बैराज से 18 अक्टूबर रविवार को पानी छोड़ा जाएगा। उम्मीद जताई जा रही है कि कोटा बैराज से चंबल नहर में छोडा जाने वाला पानी 21 अक्टूबर की सुबह तक श्योपुर जिले की सीमा में दाखिल हो जाएगा। चंबल नहर के इस पानी का उपयोग श्योपुर जिले सहित मुरैना और भिंड जिले के किसान रबी फसलो के लिए कर सकेगे। चंबल नहर में पानी आने को लेकर जिले के जल संसाधन विभाग ने अपने स्तर पर तैयारियां पूरी कर ली है।

यहां बता दें कि राजस्थान और मध्यप्रदेश के अधिकारियों के बीच चंबल नहर के पानी बंटवारे को लेकर बैठक हो चुकी है। पिछले दिनों आयोजित इस बैठक के दौरान श्योपुर जिले के जल संसाधन विभाग के अधिकारियों की ओर से रबी फसल की तैयारियों के लिए 20 अक्टूबर को चंबल नहर का पानी श्योपुर जिले में पहुंचाए जाने की डिमांड रखी गई है। इस डिमांड के बाद कोटा बैराज से चंबल दाहिनी मुख्य नहर में पानी का प्रवाह 18 अक्टूबर रविवार को छोडा जाएगा। विभागीय अधिकारियों की माने तो 18 अक्टूबर को कोटा से शुरूआत में करीब दो हजार क्यूसेक पानी छोड जाएगा। यह पानी संभवत 21 अक्टूबर तक श्योपुर जिले की सीमा में पार्वती एक्वाडक्ट पर पहुंच जाएगा।बताया जा रहा है कि जरूरत के मुताबिक नहर में पानी की मात्रा बढाई और घटाई जाएगी।



तीन जिलों की 3 लाख 62 हजार 100 हेक्टेयर भूमि की होगी सिंचाई

उल्लेखनीय है कि कोटा बैराज से निकली चंबल दाहिनी मुख्य नहर श्योपुर जिले के किसानों की कृषि भूमि को सिंचित करते हुए मुरैना और भिंड जिले के किसानो की कृषि भूमि को भी सिंचित करती है। विभागीय अधिकारियो की माने तो चंबल नहर से श्योपुर सहित मुरैना और भिंड जिले की लगभग 3 लाख 62 हजार 100 हैक्टेयर कृषि भूमि में सिंचाई होती है। श्योपुर जिले की बात करे तो चंबल नहर के पानी से श्योपुर जिले की लगभग 65 हजार हेक्टयर भूमि में सिंचाई होती है। चंबल नहर में छोडे जाने वाले पानी का प्रवाह रबी सीजन में मार्च माह के अंत तक जारी रहता है।

जरूरत के हिसाब से छोड़ा जाएगा नहर शाखाओं में पानी

जल संसाधन विभाग के अधिकारियों की माने तो 21 अक्टूबर तक चंबल नहर में छोडा जाने वाला पानी श्योपुर जिले की सीमा में प्रवेश कर जाएगा। इसके बाद इस पानी को जरूर के लिहाज से श्योपुर जिले की चंबल नहर से निकली शाखाओ में छोडा जाएगा। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल किसी भी नहर शाखा क्षेत्रो से पानी की डिमांड नहीं आई है। लेकिन जैसे ही डिमांड आती जाएगी,उसी हिसाब से नहर शाखाओ में पानी का प्रवाह चालू करा दिया जाएगा। इसके लिए नहर शाखाओ की साफ सफाई कराई जा रही है। ताकि नहर शाखाओ में छोडा जाने वाला पानी टेल क्षेत्र के किसानों के खेतो पर तक आसानी से पहुंच सके।

इनका कहना..

18 अक्टूबर को कोटा बैराज से चंबल दाहिनी मुख्य नहर में पानी छोड़ा जाएगा। इस पानी का जिले के किसान रबी फसलों के लिए जरूरत के लिहाज से उपयोग करें। लेकिन पानी की अनावश्यक बर्बादी न करें।
चैतन्य चौहान
कार्यपालन यंत्री,जल संसाधन विभाग,श्योपुर

नपा अध्यक्ष ने पूजे भगवान के चरण, की 51 हजार देने की घोषणा



रामलीला समिति की नगरपालिका परिषद ने बढ़ाई प्रोत्साहन राशि

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

नपाध्यक्ष रेनू सुजीत गर्ग ने श्रीराम तलाई हनुमान मंदिर पर चल रही रामलीला में अपने पति संग पहुंचकर भगवान श्री राम की आरती में शामिल हुई और उनके चरण पूजे। इस दौरान उन्होंने रामलीला उत्सव समिति को नगर पालिका परिषद की ओर से कलाकारों को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि 51 हजार देने की घोषणा की। इससे पहले परिषद कलाकारों को प्रोत्साहन राशि 31 हजार रुपए थी। नपाधक्ष रेनू ने कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आपकी वजह से ही सदियों पुराना यह धार्मिक प्रचार अभी तक चल रहा है। जब टीवी चैनल रेडियो इत्यादि की व्यवस्था नहीं थी आने जाने के साधन नहीं थे तब ऋषि मुनि और पढ़े-लिखे लोगों ने इस तरह मंडली बनाकर भगवानों के चरित्र को समझाने का सकारात्मक प्रयास किया था जो आज भी जारी है। आपके अथक प्रयासों से यह रामलीला आधे सदी से भी अधिक समय से लगातार चलती आ रही है। नगर पालिका परिषद इस आयोजन में हमेशा सहयोग करती आई है और आगे भी करती रहेगी, कलाकारों और रामलीला उत्सव समिति को किसी भी चीज की परेशानी नहीं होने दी जायेगी।

गोठरा में भिड़े दो पक्ष,चार लोग घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

मानपुर थाना क्षेत्र के ग्राम गोठरा में शनिवार को खेत की तार फेंसिंग खेत जुताई के दौरान टूट जाने की बात को लेकर दो पक्ष के लोग आपस में भिड गए। विवाद के दौरान दोनो पक्ष के लोगो के बीच लाठी,डंडे और फरसे चल गए। विवाद में दोनो तरफ से चार लोग घायल हो गए। जिनमें से एक घायल बाबूलाल मीणा को जिला अस्पताल से कोटा के लिए रैफर कर दिया गया है। उप निरीक्षक प्रदीप सिंह तोमर ने बताया कि इस विवाद में एक तरफ से बाबूलाल मीणा घायल हो गया है। वहीं दूसरी तरफ पवन मीणा, राममूरत और रामप्रसाद मीणा घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचा दिया है। इस मामले में राकेश मीणा की रिपोर्ट पर पवन, रामप्रसाद, राममूरत मीणा तथा दूसरे पक्ष से पवन मीणा की रिपोर्ट पर मुरारीलाल, राकेश, बाबूलाल, पवन मीणा के खिलाफ मारपीट की धाराओ के तहत क्रॉस मामला दर्ज कर लिया है।

खबर संक्षेप

मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज

अशोकनगर। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज किए गये हैं। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत दिव्यांश साहू निवासी अम्बेडकर भवन के पास अशोकनगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी नमन चैधरी, रोहित ओझा ने उसका रास्ता रोककर उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के देहात थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम नहर कॉलोनी निवासी राकेश पंथ ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी सतीश और देव शर्मा ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी की

अशोकनगर। जिले के बहादुरपुर थाने के अंतर्गत माता मोहल्ला बहादुरपुर निवासी मुकेश पुत्र पन्नालाल सेन उम्र 38 साल ने बाबूलाल जैन के खेत पर खड़े आम के पेड पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने मर्ग का मामला दर्ज किया है मामले की जांच की जा रही है।

जुए के अड्डे पर छापामार कार्रवाई की

अशोकनगर। सिटी कोतवाली के अंतर्गत पुलिस ने ग्राम बरखेड़ी में जुए के अडडे पर छापामार कार्यवाही की है। पुलिस ने ताश के पत्तों से जुआं खेलते हुए हरिओम कुर्मी, दीपक कुर्मी, अरबिंद कुर्मी और अर्जुन कुर्मी को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से पुलिस ने ताश की गडडी और 1470 रूपए बरामद किए हैं।

दोषी को 2 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा

अशोकनगर। विशेष न्यायालय (पॉक्सो एक्ट) जिला अशोकनगर द्वारा निर्णय पारित करते हुये नाबालिग बालिका का पीछा कर उसे परेशान करने वाले आरोपी छोटू कुशवाह पुत्र रमेश कुशवाह उम्र 22 साल को 02 वर्ष के सश्रम कारावास एवं कुल 1500 रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। प्रकरण में शासन की ओर से अभियोजन संचालन सहायक निदेशक अभियोजन संजीव श्रीवास्तव के निर्देशन में विशेष लोक अभियोजक यशपालसिंह यादव द्वारा किया गया। मीडिया सेल प्रभारी जिला अभियोजन संचालनालयद्वारा बताया गया किअभियोजन मामला संक्षेप में इस प्रकार है कि फरियादिया उम्र 16 साल निवासी ने हमराह अपने पापा एवं मम्मी के साथ थाने आकर इस आशय की रिपोर्ट लेख कराई कि आरोपी छोटू कुशवाह पिछले एक माह से दुकान पर आते-जाते समय उसका पीछा करता था। जिसके के बारे में उसने मम्मी पापा को बताया। 15/05/2025 को दोपहर ढाई बजे के करीब उसके घर के बाहर आया और उसकी मम्मी से बोलने लगा कि उसने उसकी लड़की को कहां कर दिया है उसकी शादी उसके साथ में कर रहे हो या नहीं। छोटू कुशवाह वहां से चला गया था। फरियादी की उक्त शिकायत पर से पाक्सो एक्ट का मामला कायम कर विवेचना में लिया गया।

शबरी को नवादा भक्ति की सीख देकर राम जी का हुआ हनुमान जी से मिलन

अशोकनगर। स्थानीय सुभाषगंज स्थित रामलीला मंच पर श्री गया प्रसाद कलाकार मंडल द्वारा आयोजित रामलीला का दशवे दिन की लीला रात्रि 9 बजे प्रारम्भ की गई। सर्वप्रथम रामायण जी की आरती, भगवान गणेश की आरती एवं भगवान राम लक्ष्मण जी की आरती की गई, आरती नवल गुप्ता शरद जैन अंकित बड़कुल एवं उनके साथियों के द्वारा की गई। इसी के साथ लीला के प्रथम दृश्य में राम लक्ष्मण माता सीता की खोज करते हुए शबरी के पास पहुंचे। शबरी द्वारा राम जी को जूठे बेर खिलाए गए जो वो चुन चुन कर मीठे बेर राम जी को लाई थी राम जी द्वारा शबरी को नवदा भक्ति बतलाई गई। फिर शबरी द्वारा बताया गया कि आप पम्पापुर पर पहुंचे जहां सुग्रीव आपकी सहायता करेंगे। राम लक्ष्मण आगे बड़े और ऋषि मुख पर्वत पर पहुंचे जहां सुग्रीव ने राम जी को आते देख हनुमान जी को भेजा हनुमान जी और राम जी का मिलन हुआ। राम हनुमान मिलन का बहुत ही सुंदर मंचन देखने को मिला।

उल्लास और उमंग के साथ मनाया जा रहा नारी शक्ति का पर्व

मां की आराधना में डूबा शहर, गरबे की प्रस्तुति मोह रही लोगों का मन

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर



14 मुख्य पुरस्कारों के साथ चार सांत्वना पुरस्कार

नवरात्रि का पर्व अशोकनगर शहर में उत्साह और उमंग के साथ भक्ति और आस्था का संदेश लेकर आता है। शहर इस समय माता की भक्ति में डूबा है। शहर के सारे मार्ग रोशनी से गुलजार हैं। जिधर देखो उधर महिलाएं नारी शक्ति के इस पर्व को गरबा महोत्सव के रूप में मना रही हैं। इस पर्व की धार्मिक छटा शहर में देखते ही बनती है। ऐसा लग रहा है जैसे अशोकनगर शहर माता की भक्ति का शहर हो गया हो।

राजवाड़ी रास गरबा सीजन-3 का भव्य शुभारंभ, तलवार गरबा की शानदार प्रस्तुति ने मोहा मन हर के अग्रवाल पैलेस में दो दिवसीय राजवाड़ी रास गरबा सीजन-3 का भव्य शुभारंभ हुआ। पारंपरिक संस्कृति, राजसी वेशभूषा और गरबा की रंग-बिरंगी छटा से सजे इस आयोजन में बालिकाओं, युवतियों और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए मां दुर्गा की आराधना की। गरबा की मनमोहक प्रस्तुतियों और विशेष रूप से तलवार गरबा की शानदार प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में डॉ. कृष्णपाल सिंह यादव, पूर्व सांसद एवं चेयरमैन,मध्यप्रदेश सिविल सप्लाइज कॉर्पोरेशन, अशोकनगर कलेक्टर साकेत मालवीय, पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा तथा शहर के वरिष्ठ चिकित्सक एवं शहर की लाइफलाइन कहे जाने वाले डॉ. डी.के. जैन का सान्निध्य रहा।

राजवाड़ी रास गरबा सीजन-3 में प्रतिभागियों की वेशभूषा, नृत्य कला, भाव-भंगिमा, सौंदर्य, शालीनता और ऊर्जा को प्रोत्साहित करने के लिए तीन श्रेणियों में कुल 14 विशेष पुरस्कार निर्धारित किए गए। इसके साथ ही प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाने के लिए चार सांत्वना पुरस्कार भी रखे गए। किड्स कैटेगरी में छह पुरस्कार बालिकाओं और बालकों की प्रतिभा को सम्मानित करने के लिए रखे गए। इनमें लिटिल रॉयल स्टार, लिटिल गरबा रॉकस्टार, लिटिल क्वीन ऑफ राजवाड़ी, लिटिल डांसिंग डीवा, लिटिल प्रिंस ऑफ राजवाड़ी और लिटिल गरबा चैंपियन शामिल रहे। गर्ल्स कैटेगरी में पांच पुरस्कार राजवाड़ी क्वीन, गरबा क्वीन, एक्सप्रेशन क्वीन, स्टाइल आइकॉन ऑफ राजवाड़ी और गरबा फायरक्रैकर के माध्यम से युवतियों की नृत्य प्रतिभा, पारंपरिक लुक और ऊर्जावान प्रस्तुतियों को सम्मानित करने के लिए रखे गए। लेडीज कैटेगरी में तीन पुरस्कार रॉयल राजवाड़ी डीवा,गरबा महारानी और ग्रेस एंड ग्लोरी अवॉर्ड के अंतर्गत महिलाओं की पारंपरिक वेशभूषा, राजसी अंदाज, नृत्य कौशल और गरिमामयी प्रस्तुति को सम्मानित करने के लिए निर्धारित किए गए।

आयोजन समिति का महत्वपूर्ण योगदान

राजवाड़ी रास गरबा सीजन-3 को भव्य स्वरूप देने और सफल बनाने में आयोजक सीमा अग्रवाल, किरण अग्रवाल, डॉ. अनुराधा यादव, डॉ. निकिता चैरसिया, डॉ. मेघा मंवर, डॉ. शिवाली यादव, वैशाली सलूजा, नीलू सेठ, प्रिया खुराना, किरण कुशवाह, अलीना राय, दीपा रघुवंशी, प्रियंका अग्रवाल, मनीषा यादव, मनीषा ओझा, शालिनी खेरा, अनिता जैन, नैना शर्मा, अरुणा अरोड़ा, डॉ. रानी चैकसे, नूतन श्रीवास्तव, नेहा अग्रवाल, सोनम सोनी एवं माधुरी सोनी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

विश्व खाद्य दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम

विद्यार्थियों ने पेंटिंग व भाषण से दिया खाद्य सुरक्षा का संदेश



हरिभूमि न्यूज ⏭ बीना

विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर बीपीसीएल बीना रिफाइनरी द्वारा संचालित समत्व कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम विल्धई बुजुर्ग में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं महिलाओं को खाद्य सुरक्षा, पौष्टिक आहार, भोजन के महत्व तथा खाद्य पदार्थों की बर्बादी रोकने के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में लगभग 60 विद्यार्थियों एवं 15 महिलाओं ने सहभागिता की। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विश्व खाद्य दिवस की थीम पर आकर्षक पेंटिंग बनाकर खाद्य सुरक्षा एवं पौष्टिक आहार का संदेश दिया। साथ ही विद्यार्थियों ने भाषण के माध्यम से भोजन के महत्व, संतुलित आहार, खाद्य पदार्थों की उपलब्धता तथा भोजन की बर्बादी रोकने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित विद्यार्थियों एवं महिलाओं को जागरूक करते हुए बताया गया कि भोजन प्रत्येक व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकता है। हमें भोजन का सम्मान करना चाहिए तथा आवश्यकता के अनुसार ही भोजन लेना चाहिए, ताकि अन्न की बर्बादी को रोका जा सके। इसके साथ ही संतुलित एवं पौष्टिक आहार को दैनिक जीवन में शामिल करने के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों में रचनात्मकता, सामाजिक जागरूकता एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। समत्व कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक एवं जनजागरूकता से जुड़ी गतिविधियों को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। कार्यक्रम में बीपीसीएल बीना रिफाइनरी की ओर से यस तथा संस्था समन्वय मंडपम की ओर से धर्मेंद्र सिंह ठाकुर, प्रांजल ठाकुर एवं प्राची ठाकुर उपस्थित रहे।

खाद्य पदार्थों के प्रति जागरुकता बढ़ाने पर दिया जोर

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विश्व खाद्य दिवस पर संगोष्ठी आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीना



शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी विभाग और सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में भुखमरी की समस्या को समाप्त करने, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, मिलावट रहित एवं पौष्टिक आहार की उपलब्धता तथा समाज में खाद्य पदार्थों के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. रेखा बरेठिया ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान लोक कल्याण की भावना से जुड़ी एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके अंतर्गत लगातार एक माह तक विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियों के माध्यम से समाज में जागरूकता और सेवा भावना को प्रोत्साहित किया गया। उन्होंने कहा कि विश्व खाद्य दिवस हमें यह संकल्प लेने की प्रेरणा देता है कि विश्व से भुखमरी समाप्त करने तथा प्रत्येक व्यक्ति तक सुरक्षित और पौष्टिक भोजन पहुंचाने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएं।

डॉ. एमएल सोनी ने कहा कि खाद्य पदार्थों में मिलावट संपूर्ण विश्व के लिए एक गंभीर चुनौती है। शुद्ध, सुरक्षित एवं पौष्टिक आहार प्रत्येक व्यक्ति के स्वस्थ जीवन और जीवन रक्षा के लिए आवश्यक है। इसके लिए खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा मिलावट के विरुद्ध सकारात्मक सामाजिक पहल करने की जरूरत है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे लोगों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व के प्रति जागरूक करें और भोजन की बर्बादी रोकने में सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम संयोजक पर्यटन विभाग के विभागाध्यक्ष मोहम्मद रफीक शेख ने विद्यार्थियों से खाद्य सुरक्षा के लिए सक्रिय पहल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि युवा समाज में जागरूकता फैलाकर सुरक्षित भोजन, पौष्टिक आहार और खाद्य पदार्थों के उचित उपयोग का संदेश प्रभावी रूप से जन-जन तक पहुँचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें खाद्य उत्पादन बढ़ाने के साथ ही खाद्यान्न बर्बादी भी रोकना है। डॉ. राजेश कुमार सप्रे ने कहा कि भुखमरी आज भी संपूर्ण विश्व की गंभीर समस्याओं में से एक है। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि देश में कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सरकार, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों को मिलकर प्रयास करना चाहिए। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को जरूरतमंदों की सहायता करने और भोजन के महत्व को समझने की दिशा में आगे आना चाहिए।

इस अवसर पर डॉ. सतीश कुमार राय एवं श्री गौरव नैलवाल ने भी विद्यार्थियों को खाद्य सुरक्षा, पौष्टिक आहार तथा भुखमरी उन्मूलन के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया। वक्ताओं ने भोजन की बर्बादी रोकने और समाज के प्रत्येक वर्ग तक सुरक्षित एवं पौष्टिक भोजन की पहुँच सुनिश्चित करने में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम में डॉ. गजेंद्र पाठक, एसके पंथी, प्रदीप चौधरी, जितेंद्र खांडेराव, अभिषेक सिंह लोधी सहित महाविद्यालय के अन्य स्टाफ सदस्य एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। संगोष्ठी का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, जनसेवा और खाद्य सुरक्षा के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना रहा।

पुलिस ने आबकारी एक्ट के तहत मामला किया दर्ज

अवैध शराब सहित बाइक जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीना



पुलिस ने 63 बल्क लीटर अवैध शराब व बाइक के साथ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से आरोपियों को जेल भेजा गया। थाना प्रभारी अनूप यादव ने बताया सागर पुलिस द्वारा अपराधों की रोकथाम एवं शराब का अवैध परिवहन करने वाले अपराधियों के विरुद्ध की जा रही प्रभावी कार्रवाई के तहत थाना बीना पुलिस को सफलता प्राप्त हुई है।

पुलिस अधीक्षक सागर अनुराग सुजानिया के निर्देशन में जिले के समस्त थाना प्रभारियों को प्रो-एक्टिव पुलिसिंग अपनाते हुए अपराधों की पूर्व रोकथाम, संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी तथा अवैध शराब की तस्करी के अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। इन्हीं निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बीना जयवीर सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी बीना अजय सनकत के नेतृत्व में थाना बीना पुलिस द्वारा 63 बल्क लीटर अवैध शराब जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

थाना प्रभारी यादव के अनुसार मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि खिमलासा तरफ से एक लाल काले रंग की मोटर साईकिल पर दो व्यक्ति अवैध शराब लेकर बीना तरफ आ रहे है। मुखबिर सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम रवाना की गई। कुछ समय बाद खिमलासा तरफ से रेल्वे पुलिया क्रांस करते हुये मुखबिर द्वारा दी सूचना में वैसी ही मोटर साईकिल एवं हुलिया के व्यक्ति आते दिखे। जिन्हे घेराबंदी कर रोका गया एवं नाम पता पूछा जिन्होंने अपना नाम समंदर पिता जगदीश बागडी उम्र 29 वर्ष निवासी खिरिया थाना कुरवाई जिला विदिशा एवं प्रदीप पिता शिवदत्त चौहान उम्र 59 वर्ष निवासी ढीमर मुहल्ला वार्ड क्र. 12 कुरवाई का होना बताया।

मोटर साईकिल पर रखे बैग एवं थैला को चेक किया गया जो उक्त व्यक्तियों के पास से अवैध शराब रखी पाई गई। जिन से शराब रखने के संबंध में बैध दस्तावेज मांगे गये जिन्होने नही होना बताया। आरोपियों के कब्जे से दो बैग एवं थैला में रखी कुल 63 लीटर देशी मदिरा शराब कीमती करीब 35 हजार रुपये मय मोटर साईकिल एवं एक मोबाईल फोन आरोपियों के कब्जे से विधिवत जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उक्त आरोपियों से शराब लाने के संबंध में पूछताछ की गई। जिन्होंने बताया कि कुरवाई के सुनील राय के यहां पर मजदूरी करते है, सुनील राय ने खिमलासा शराब दुकान से सात पेटी शराब लेने के लिये भेजा था। जो खिमलासा शराब दुकान के गद्दीदार हरगोविन्द राय द्वारा सात शराब की पेटिया देना बताया गया। जो पेटियो से शराब निकालकर दो बैग एवं थैला में रखना और बीना निवासी रितिक खटीक को उक्त शराब देना बताया। पुलिस ने आरोपी समंदर पिता जगदीश बागडी उम्र 29 वर्ष निवासी खिरिया थाना कुरवाई जिला विदिशा एवं प्रदीप पिता शिवदत्त चौहान उम्र 59 वर्ष निवासी ढीमर मुहल्ला वार्ड क्र. 12 कुरवाई आरोपियों के विरुद्ध आबकारी एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

जैन दर्शन ही अहिंसा का प्रणेता है: मुनिश्री

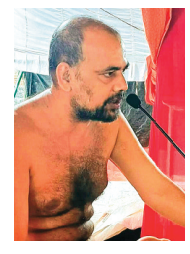

अशोकनगर। मुनि श्री निरंजन सागर जी महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि सभ्य संसार में जितने धर्म प्रचलित हैं प्रायः उन सबके अनुयायी हिंसा को पाप और अहिंसा को पुण्य बतलाते हैं। और इसलिये वह हिंसा को छोड़ने और अहिंसा के पालन करने का उपदेश देते हैं। इसलिये किसी भी धर्म में अहिंसा की अवज्ञा करने की शक्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि अहिंसा के जीवन-चरित्र के विषय में पूना के प्रसिद्ध इतिहासज्ञ पण्डित बाल गंगाधर तिलक का कथन था कि जैन धर्म वैदिक यह दोनों ही धर्म यद्यपि विशेष प्राचीन हैं, परन्तु अहिंसा धर्म का मुख्य प्रणेता जैन धर्म ही है। जैन धर्म ने अपने प्राबल्य से वैदिक धर्म पर अहिंसा धर्म की एक अक्षुण्ण मुद्रा (मुहर) अंकित की है। वैदिक धर्म में अहिंसा ने जो स्थान पाया है, वह जैनियों के संसर्ग से ही पाया है। अहिंसा धर्म का सम्पूर्ण श्रेय जैनियों के हिस्से में है। लगभग 2600 वर्ष पहले वेद विषयक यज्ञों में हजारों पशुओं का वध होता था, परन्तु लगभग 2500 वर्ष पहले जैनियों के अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी ने जब जैन धर्म का पुनरुद्धार किया, तब उनके उपदेश से लोगों का चित्त इस घोर निर्दय कर्म से विरक्त होने लगा और शनैः शनैः लोगों के चित्त पर अहिंसा ने अपना अधिकार जमा लिया। इस समय के विचारशील वैदिक विद्वानों ने धर्म की रक्षा के लिये पशु हिंसा सर्वथा बन्द कर दी और अपने धर्म में अहिंसा को सादर स्थान दिया। इत्यादि लोकमान्य पण्डित बाल गंगाधर तिलक ने अहिंसा का मुख्य प्रणेता जैन धर्म को इतिहास में बतलाया है। हम अब भी दृढ़तापूर्वक कह सकते हैं कि वे हिंसा का लक्षण कहने अर्थात हिंसा यथार्थ में किसे कहते हैं। इसे जानने में अब भी समर्थ नहीं हुए हैं।

शबरी आश्रम में 50 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन और टिन शेड का होगा निर्माण

करीला धाम को 'करीला धाम लोक' के रूप में विकसित किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर



करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के प्रमुख केंद्र करीला धाम को भव्य स्वरूप प्रदान करते हुए 'करीला धाम लोक' के रूप में विकसित किया जाएगा। इससे न केवल करीला धाम की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को नई ऊंचाई मिलेगी, बल्कि क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, चंदेरी, अशोकनगर और मुंगावली सहित आसपास के क्षेत्रों से करीला धाम तक श्रद्धालुओं का आवागमन सुगम बनाने के लिए सड़क संपर्क को बेहतर किया जा रहा है। जनजातीय सम्मेलन के दौरान आदिवासी समाज के लोगों ने केंद्रीय मंत्री सिंधिया का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया।

स्थानीय सांसद एवं केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया करीला धाम परिसर स्थित जनजातीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इसके पहले उन्होंने करीला धाम में मत्था टेक सभी के कल्याण की कामना की। इस मौके पर क्षेत्र में विकास कार्यों और जनकल्याणकारी पहलों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि करीला धाम जैसे आस्था के केंद्र हमारी सांस्कृतिक विरासत के महत्वपूर्ण प्रतीक हैं। इन्हें बेहतर सुविधाओं और सुगम आवागमन से जोड़ना क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। करीला धाम लाखों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा है और यहां आयोजित होने वाले धार्मिक आयोजनों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इसे 'करीला धाम लोक' के रूप में विकसित किए जाने से धार्मिक विरासत के संरक्षण, श्रद्धालुओं की सुविधाओं में विस्तार और स्थानीय स्तर पर पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। करीला धाम तक पहुंच को सुगम बनाने के उद्देश्य से शाढ़ोरा से धाम तक लगभग 50 किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण के लिए 100 करोड़ रुपये की स्वीकृति से निर्माण किया गया है।

शबरी आश्रम में 50 लाख रुपये के विकास कार्य: शबरी आश्रम में स्थानीय विधायक निधि से 25 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन तथा 25 लाख रुपये की लागत से टिन शेड का निर्माण कराया जाएगा। इन दोनों कार्यों पर कुल 50 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।



आदिवासी समाज प्रकृति और संस्कृति का संरक्षक

जनजातीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि आदिवासी समाज हमारी प्रकृति, संस्कृति और परंपराओं का सच्चा संरक्षक है। इस समाज ने सदियों से अपनी विशिष्ट जीवनशैली, परंपराओं और प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण संबंधों के माध्यम से देश की सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज का सम्मान, उसका कल्याण और उसे विकास की मुख्यधारा में समान अवसर प्रदान करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

पारंपरिक तरीके से हुआ स्वागत, हितग्राहियों को वितरित किया पोषण आहार

जनजातीय सम्मेलन के दौरान आदिवासी समाज के लोगों ने केंद्रीय मंत्री सिंधिया का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। इस अवसर पर जनजातीय समाज की संस्कृति, परंपराओं और आत्मीयता की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम के दौरान जनजातीय समाज के हितग्राहियों को पोषण आहार भी वितरित किया गया। इस पहल के माध्यम से पोषण के महत्व और जरूरतमंद परिवारों तक कल्याणकारी सुविधाएं पहुंचाने के संकल्प को रेखांकित किया गया। सम्मेलन में जनजातीय समाज के कल्याण, उनकी सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण, बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र परिवारों तक पहुंचाने पर जोर दिया गया।